वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम.वी. चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) और (ख) योजना आयोग के कार्य दल ने आठवीं योजनावधि के दौरान, कृषि के लिए आधार स्तरीय ऋण का पूर्वानुमान लगाया था, जो निम्नानुसार है:-

(करोड़ रुपए)

वर्ष	अल्पावधिक	दीर्घावधिक	कुल
1992-93	7,619	7.369	14,988
1993-94	8,898	8,650	17,548
1994-95	10,534	10,143	20,677
1995-96	12,457	11,665	24,122
1996-97	15,041	13,414	28,455

कृषकों की उत्पादन ऋण की आवश्यकता वित्त की मात्रा के आधार पर मंजूर की जाती है। फसल ऋणों के लिए वित्त की मात्रा, स्थानीय रूप मे उगाई जाने वाली विभिन्न फसलों के लिए जिला स्तर पर गठित तकनीकी समिति द्वारा निर्धारित की जाती है। वित्त की इस मात्रा को वार्षिक आधार पर समीक्षा करनी होती है और इसे कीमतों, निविष्टयों के स्तर, खेती की कुल लागत, कुल उपज, वापसी अदायमी की क्षमता आदि के आधार पर पुन: नियत किया जाता है।

(ग) वाणिज्यिक बैंकों को अपने निवल बैंक ऋणों का कम से कम 18% कृषि के लिए मंजूर करना होता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों से कहा है कि वे निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करें। कृषि को दिए जाने ऋण के प्रवाह मे विशिष्ट ओर महत्वपूर्ण सुधार करने की दृष्टि से बैंकों से विशेष ऋण योजनाएं तैयार करने के लिए कहा गया है। बैंकों से यह भी कहा गया है कि वे उन क्षेत्रों और गतिविधियों का पता लगाएं जिन पर वे सुविधापूर्वक ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं तथा उनसे तदनुसार अपनी कार्य योजनाएं तैयार करने के लिए कहा गया है। कृषि उत्पादन के वास्ते समय पर और पर्याप्त ऋण के लिए जो किसान कतिपय मानदंडों को पूरा करते हैं उन्हें उनकी मिश्रित ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु नकद ऋण सुविधा के रूप में लचीली ऋण सहायता प्रदान की जाती है। यह सुविधा उन किसानों को उपलब्ध है जिनके पास सिंचाई की सुविधा है तथा उनको भी दी जाती है जिनके पास ऐसी सुविधा नहीं है लेकिन जो फसल उगाने के साथ डेरी, कुक्कुट पालन आदि और या अन्य कृषि-तर कार्य जैसे संबद्ध कार्य करते हैं और जिनका पिछले दो वर्षों में बैंक/ऋणकर्त्ता खाते का संतोषजनक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वाणिज्यिक बैंकों से कहा है कि वे मछली पालन, पुष्पोत्पादन, टिश्यू कल्चर, बायोटेक्नोलाजी आदि जैसे उच्च प्रौद्योगिकी के कार्यों का वित्तपोषण करें।

गुजरात में महिला सहकारी बैंक

2223. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी**: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में कार्यरत महिला सहकारी बैंकों की जिलावार संख्या क्या है;

(ख) क्या केन्द्रीय सरकार को गुजरात सरकार से ऐसे और बैंक खोलने संबंधी कोई निवेदन-पत्र प्राप्त हुआ है; और

(ग) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम.वी. चन्द्रशेखर मूर्ति): (क) इस समय गुजरात में 7 महिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं जिनका जिला वार ब्यौरा निम्नलिखित है:

जिले का नाम	महिला सहकारी बैंको की सं.
अहमदाबाद	3
बड़ोदरा	1
भावनगर	1
सूरत	1
बलसाड़	1
	7

(ख) और (ग) भारतीय रिजर्व बैंक को गुजरात में महिला सहकारी बैंक स्थापित करने हेतु दो प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की वर्तमान नीति प्रत्येक जिले में महिलाओं के लिए शहरी सहकारी बैंक स्थापित करने हेतु अनुमति प्रदान करना है बशर्ते कि, प्रस्ताव भविष्य में अपेक्षित सम्भाव्यताओं को पूरा करता हो और अर्थक्षमता की सम्भाव्यता हो। महिलाओं द्वारा शहरी सहकारी बैंकों की स्थापना के लिए प्रारम्भिक शेयर पूंजी और सदस्यता संबंधी स्थापना के समय के मानदण्डों में कतिपय छूट प्रदान की गई है।

Drug Trafficking in Tamil Nadu

2224. SHRI S. MADHAVAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item published in the daily Hindu dated 7th November, 1994 about the drug trafficking and seizure of heroin in Tamil Nadu;

(b) whether it is a fact that there are